Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी साहित्य

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - एकांकी संचय

पाठ - 4 'सूखी डाली' (एकांकी) लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-
"तुम भी बहन, बस ---- क्या इतना पढ़लिखकर छोटी बहू कपड़े धोएगी ?"

प्रश्न (क) उपर्युक्त वाक्य किसने, किससे, किस संदर्भ में कहा है ?

उत्तर - उपर्युक्त वाक्य 'सूखी डाली' एकांकी की एक स्त्री पात्र बड़ी भाभी ने (अपनी देवरानी) छोटी भाभी से कहा है। छोटी बहू बेला ने कर्मचन्द के द्वारा लाए गए मलमल के थान और रजाई के अबरों को नापसंद कर दिया था तथा परेश के बहुत समझाने पर भी उन्हें हाथ तक नहीं लगाया था। इसी प्रसंग में छोटी भाभी (बेला की सास) बेला को दोषी मान रही हैं। उनका कहना है कि कपड़े पसंद न आना अलग बात है, परन्तु घर के सबसे बुज़ुर्ग दादा जी की आज्ञा न मानना, उनके कपड़े समय पर धोकर न देना अलग बात है। इसी संदर्भ में बड़ी भाभी ताना मारते हुए कहती हैं कि इतना पढ़- लिखकर क्या छोटी बहू कपड़े धोएगी ?

प्रश्न (ख) छोटी बहू कौन है ? वह किस पारिवारिक परिवेश से आई है ?

उत्तर - छोटी बहू बेला है। वह दादा के संयुक्त परिवार की सबसे छोटी बहू है। वह दादा जी के पोते परेश की पत्नी है। बेला लाहौर के एक सम्पन्न कुल के प्रतिष्ठित परिवार की सुशिक्षित पुत्री है। वह अमीर माता - पिता की बेटी है। उसके रहने का आधुनिक ढंग है, वह शहरी वातावरण में पली है। कभी संयुक्त परिवार में नहीं रही है। इसलिए ससुराल में बड़ा परिवार देखकर उसे घबराहट होती है। वह ग्रेजुएट है,

अपने ससुराल में सभी स्त्रियों से अधिक पढ़ी-लिखी हैं।

प्रश्न (ग) वह परिवार से क्यों अलग होना चाहती हैं ?

उत्तर - बेला एक सम्पन्न परिवार की पढ़ी-लिखी लड़की हैं, लाहौर शहर में पली-बड़ी हुई हैं। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण उसमें हद से ज्यादा दर्प (घमंड, अभिमान) की भावना हैं। अपने मायके के सामने ससुराल को कुछ नहीं समझती हैं। उसका मन इस घर में नहीं लगता हैं। उसे घर का कोई भी सदस्य अच्छा नहीं लगता और न घर की स्त्रियां उसे पसंद करती हैं। वह अपना जीवन अपने ढंग से नहीं जी पा रही हैं। उसे लगता हैं घर की सभी स्त्रियाँ उसका मज़ाक उड़ाती हैं, उसे ताने देती हैं। इस परिवार के सदस्य, यहाँ का रहन-सहन, यहाँ का वातावरण उसे कुछ भी पसंद नहीं, इसलिए वह अपनी अलग गृहस्थी बसा कर अपने ढंग से जीना चाहती हैं। वह आज़ादी चाहती हैं।

प्रश्न (घ) वह बात-बात में किस बात की चर्चा करती रहती हैं ?

उत्तर- 'वह' से तात्पर्य बेला से हैं। वह अपने ससुराल को हीन दृष्टि से देखती हैं और बात-बात में अपने मायके की चर्चा करती रहती हैं कि मेरे मायके यह होता हैं, मेरे मायके में यह नहीं होता। अपने मायके के सामने तो वह किसी को कुछ गिनती ही नहीं हैं। उसकी दृष्टि में तो उसके ससुराल वाले मूर्ख, गँवार और असभ्य हैं।

[अंतिम पृष्ठ]